VIII मुद्रा प्रबंध

वर्ष के दौरान रिज़र्व बैंक का ध्यान पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ बैंकनोट संचलन में उपलब्ध कराने के अपने प्रयासों पर बना रहा। इसके अनुसरण में ₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों को वापस लेने की प्रक्रिया भी शुरू की गई। देश में बैंकनोटों, सिक्कों और भुगतान के डिजिटल तरीकों के उपयोग और पसंद पर बेहतर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया। देश की मौजूदा मुद्रा प्रबंध वास्तु संरचना को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से लाभ उठाने और इसकी परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए पुनर्रचित किए जाने का कार्य आरंभ किया गया।

VIII.1 2023-24 के दौरान, रिज़र्व बैंक ने जनता की नकदी की मांग पूर्ण करने के लिए अर्थव्यवस्था में स्वच्छ बैंकनोटों और सिक्कों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों को जारी रखा। गंदे नोटों की वापसी और उनके निपटान की गति भी बनी रही। भविष्य में बैंकनोटों की आवश्यकता के बेहतर आकलन के लिए, परिवारों द्वारा लेनदेन के लिए नकदी के उपयोग पर अंतर्दृष्टि जुटाने के लिए एक विश्लेषण किया गया। रिज़र्व बैंक ने देश में मुद्रा प्रबंध आधार संरचना को आधुनिक बनाने पर कार्य आरंभ किया। ₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों को वापस ले लिया गया, जिन्हें नवंबर 2016 में ₹500 और ₹1000 के बैंकनोटों की वैधानिक टेंडर स्थिति वापस लिए जाने के बाद अर्थव्यवस्था की मुद्रा आवश्यकता को शीघ्रता से पूरा करने के लिए लाया गया था।

VIII.2 इस पृष्ठभूमि में, अध्याय के शेष अंश को पांच खंडों में बांटा गया है। खंड 2 में 2023-24 की कार्यसूची के कार्यान्वयन की स्थिति को शामिल किया गया है, जिसके बाद वर्ष के दौरान संचलनगत मुद्रा में हुई महत्त्वपूर्ण घटनाओं के साथ-साथ अन्य गतिविधियों को खंड 3 में प्रस्तुत किया गया है। खंड 4 में भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल), जो रिज़र्व बैंक की पूर्णतः स्वाधिकृत सहायक कंपनी है, के संबंध में घटनाक्रम प्रस्तुत किया गया है। खंड 5 में 2024-25 के लिए विभाग की कार्यसूची बताई गई है, जबकि खंड 6 में निष्कर्ष दिए गए हैं।

2. 2023-24 के लिए कार्यसूची

VIII.3 विभाग ने 2023-24 के लिए निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए थे:

- मुद्रा प्रबंध में उच्च दक्षता प्राप्त करने के लिए मुद्रा नेटवर्क डिजाइन, मशीनीकरण और स्वचालन, और शेड्यूलिंग और इन्वेंट्री प्रबंधन पर रिपोर्ट की सिफारिशों के आधार पर एक कार्यान्वयन कार्यक्रम तैयार करना (पैराग्राफ VIII.4);
- बैंकनोटों पर नवीनतम अनुसंधान करने के लिए एक अत्याधुनिक सुविधा की स्थापना *(उत्कर्ष 2.0)* [पैराग्राफ VIII.5];
- संचलनगत नोटों की गुणवत्ता पर सर्वेक्षण करना *(उत्कर्ष 2.0)* [पैराग्राफ VIII.6];
- नकदी उपयोग संकेतक विकसित करना (*उत्कर्ष* 2.0) [पैराग्राफ VIII.7];

- नकदी वितरण के मौजूदा तंत्र और ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) पारितंत्र में संबंधित मुद्दों की समीक्षा के लिए समिति की सिफारिशों का कार्यान्वयन (पैराग्राफ VIII.8); और
- निर्धारित छंटाई मानकों के अनुरूप नोट छंटाई मशीनों (एनएसएम) के प्रमाणन की प्रक्रिया को संस्थागत बनाना (*उत्कर्ष* 2.0) [पैराग्राफ VIII.9]।

कार्यान्वयन की स्थिति

VIII.4 नेटवर्क को इष्टतम बनाकर, तकनीकी समाधान, स्वचालन और व्यवसाय प्रक्रिया री-इंजीनियरिंग के उपयोग से मुद्रा प्रबंध वास्तु-संरचना को रीडिजाइन करने और आधुनिक बनाने के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। विभिन्न हितधारकों को शामिल करने वाली इस परियोजना को चरणों में लागू किया जाएगा।

VIII.5 बीआरबीएनएमपीएल के मैसूरु कैंपस में बैंकनोटों पर अत्याधुनिक शोध करने के लिए एक प्रतिकूल विश्लेषण[1] प्रयोगशाला परिचालित की गई है।

VIII.6 बैंकनोटों की गुणवत्ता के बारे में जनता की धारणाओं पर विभिन्न क्षेत्रों में सर्वेक्षण किए गए, जिससे जनता की अपेक्षाओं को समझने में मदद मिली और तदनुसार, आवश्यक नीतिगत और परिचालन उपाय किए गए।

VIII.7 लेनदेन के लिए घर-परिवारों में नकदी के उपयोग में हालिया रुझानों और इसके परिप्रेक्ष्य में खुदरा डिजिटल भुगतान में वृद्धि को समझने के लिए विभाग में एक विश्लेषण किया गया ताकि भविष्य में बैंकनोटों की मांग के बेहतर अनुमान लगाए जा सकें। प्राप्त डेटा के आधार पर नकदी उपयोग संकेतकों को और मजबूत बनाने के लिए कार्यप्रणाली को अद्यतन किया जाएगा।

VIII.8 एटीएम पारितंत्र में नकदी वितरण की मौजूदा व्यवस्था और संबंधित मुद्दों की समीक्षा के लिए समिति की सिफारिशें वर्तमान में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

VIII.9 रिज़र्व बैंक के आदेशानुसार भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा नोट छँटाई मशीनों (एनएसएम) के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया का संस्थानीकरण निर्धारित छँटाई मानकों के अनुरूप किया गया, जिसमें उद्योग के विशेषज्ञों, बीआईएस, आरबीआई और बैंकों से मानक निर्धारकों का एक पैनल बनाया गया, जिसने एनएसएम के लिए तकनीकी मानकों को अंतिम रूप दिया। 'नोट सॉर्टिंग मशीन (एनएसएम) स्पेसिफिकेशन आईएस 18663: 2024' 19 मार्च, 2024 को 'भारत के राजपत्र' में प्रकाशित हुई। इन मानकों का उपयोग देश भर के बैंकों द्वारा प्रयुक्त एनएसएम के प्रमाणीकरण के लिए किया जाएगा और इससे सभी बैंकों के बीच नोट सॉर्टिंग में एकरूपता आएगी।

3. संचलनगत मुद्रा संबंधी घटनाक्रम

VIII.10 संचलनगत मुद्रा (सीआईसी) में बैंकनोट, केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) और सिक्के आते हैं। वर्तमान में, संचलनगत बैंकनोट में ₹2, ₹5, ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹200, ₹500 और ₹2000 मूल्यवर्ग शामिल हैं। रिज़र्व बैंक अब ₹2, ₹5 और ₹2000 मूल्यवर्ग के नोट नहीं छाप रहा है। संचलनगत सिक्कों में 50 पैसे और ₹1, ₹2, ₹5, ₹10 और ₹20 मूल्यवर्ग के सिक्के शामिल हैं। रिज़र्व बैंक 29 दिसंबर 2023 के सप्ताहांत से साप्ताहिक आधार पर संचलनगत मुद्रा पर मूल्यवर्ग-वार डेटा प्रकाशित कर रहा है।

[1] इसका उपयोग जाली नोट बनाने के जोखिम के आकलन के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों/ तकनीशियनों द्वारा व्यवसायिक रूप से उपलब्ध सामग्री और उपकरण का उपयोग कर बैंकनोटों के इन-हाउस सिमुलेशन द्वारा किया जाता है।

VIII.11 भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 22ए के अनुसार, अधिनियम की धारा 24 में निर्धारित मूल्यवर्ग डिजिटल स्वरूप के बैंकनोटों पर लागू नहीं होंगे। तदनुसार, डिजिटल रुपया ई₹-रिटेल ((e₹-R) का लाइव-पायलट 50 पैसे, ₹1, ₹2, ₹5, ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹200, ₹500 और ₹2000 के मूल्यवर्ग में आरंभ किया गया है, जबकि ई₹-होलसेल (e₹-W) का कोई विशिष्ट मूल्यवर्ग नहीं है।

बैंकनोट

VIII.12 वर्ष 2023-24 के दौरान संचलनगत बैंकनोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 3.9 प्रतिशत और 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वर्ष इसमें क्रमशः 7.8 प्रतिशत और 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी (सारणी VIII.1)। वर्ष 2023-24 के दौरान, ₹500 के बैंकनोटों का हिस्सा मूल्य के संदर्भ में बढ़ा जबकि ₹2000 के बैंकनोटों का हिस्सा तेजी से गिरा, जो इस मूल्यवर्ग को वापस लिए जाने को दर्शाता है। मात्रा के संदर्भ में, 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार कुल संचलनगत बैंकनोटों में ₹500 के मूल्यवर्ग का भाग सबसे अधिक रहा, इसके बाद ₹10 मूल्यवर्ग के बैंकनोट रहे।

₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों का संचलन से वापस लिया जाना

VIII.13 ₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोट नवंबर 2016 में आरबीआई अधिनियम की धारा 24(1) के तहत, मुख्यतः उस समय संचलन में रहे ₹500 और ₹1000 के बैंकनोटों की वैधानिक टेंडर स्थिति की वापसी के बाद अर्थव्यवस्था की मुद्रा आवश्यकता को शीघ्रता से पूरा करने के लिए लाए गए थे। जब अन्य मूल्यवर्ग के बैंकनोट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो गए तब ₹2000 के बैंकनोटों का उद्देश्य पूर्ण हो गया। इसलिए 2018-19 में ₹2000 के बैंकनोटों की छपाई बंद कर दी गई।

सारणी VIII.1:संचलनगत बैंकनोट (मार्च अंत)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (संख्या लाख में)			मूल्य (करोड़ ₹ में)		
	2022	2023	2024	2022	2023	2024
1	2	3	4	5	6	7
2 और 5	1,11,261	1,10,843	1,10,547	4,284	4,263	4,249
	(8.5)	(8.1)	(7.5)	(0.1)	(0.1)	(0.1)
10	2,78,046	2,62,123	2,49,506	27,805	26,212	24,951
	(21.3)	(19.2)	(17.0)	(0.9)	(0.8)	(0.7)
20	1,10,129	1,25,802	1,33,973	22,026	25,160	26,795
	(8.4)	(9.2)	(9.1)	(0.7)	(0.8)	(0.8)
50	87,141	85,716	89,783	43,571	42,858	44,892
	(6.7)	(6.3)	(6.1)	(1.4)	(1.3)	(1.3)
100	1,81,420	1,80,584	2,05,656	1,81,421	1,80,584	2,05,656
	(13.9)	(13.3)	(14.0)	(5.8)	(5.4)	(5.9)
200	60,441	62,620	77,108	1,20,881	1,25,241	1,54,215
	(4.6)	(4.6)	(5.2)	(3.9)	(3.7)	(4.4)
500	4,55,468	5,16,338	6,01,770	22,77,340	25,81,690	30,08,847
	(34.9)	(37.9)	(41.0)	(73.3)	(77.1)	(86.5)
2000	21,420	18,111	410	4,28,394	3,62,220	8,202
	(1.6)	(1.3)	(0.03)	(13.8)	(10.8)	(0.2)
कुल	**13,05,326**	**13,62,137**	**14,68,754**	**31,05,721**	**33,48,228**	**34,77,805**

नोट: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

VIII.14 ₹2000 मूल्यवर्ग के लगभग 89 प्रतिशत बैंकनोट अपने अनुमानित जीवनकाल 4-5 वर्ष के अंत में थे और आमतौर पर लेनदेन के लिए उपयोग नहीं किए जाते थे। अतः, ₹2000 मूल्य वर्ग के बैंकनोटों को उनकी वैधानिक टेंडर स्थिति बरकरार रखते हुए संचलन से वापस लेने का निर्णय लिया गया। 19 मई, 2023 को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई जिसमें जनता को 30 सितंबर 2023 तक बैंक शाखाओं और रिज़र्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों[2] में ₹2000 के बैंकनोट जमा करने और/या विनिमय के लिए सूचित किया गया, जिसे बाद में 7 अक्टूबर 2023 तक बढ़ा दिया गया। 9 अक्टूबर 2023 से रिज़र्व बैंक के निर्गम कार्यालयों में जमा और/या विनिमय की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा, ₹2000 के बैंकनोट संबंधित बैंक खातों में क्रेडिट के लिए भारतीय डाक द्वारा रिज़र्व बैंक के निर्गम कार्यालयों को भेजे जा सकते हैं। 19 मई, 2023 को जब वापसी की घोषणा की गई थी, तब संचलन में मौजूद ₹2000 के ₹3.56 लाख करोड़ नोटों में से 97.7 प्रतिशत 31 मार्च, 2024 तक बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके थे।

सिक्के

VIII.15 वर्ष 2023-24 में संचलनगत सिक्कों का कुल मूल्य और कुल मात्रा दोनों बढ़े। 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार, ₹1, ₹2 और ₹5 के सिक्के मिलाकर संचलनगत सिक्कों की कुल मात्रा का 82.5 प्रतिशत रहे, जबकि मूल्य के अनुसार इन मूल्यवर्गों का हिस्सा 68 प्रतिशत रहा (सारणी VIII.2)।

संचलनगत ई₹

VIII.16 वर्ष के दौरान, 1 दिसंबर, 2022 को आरंभ किए गए e₹-R के लाइव पायलट ने गति पकड़ी (सारणी VIII.3)।

सारणी VIII.2: संचलनगत सिक्के (मार्च अंत)

मूल्यवर्ग(₹)	मात्रा (संख्या लाख में)			मूल्य (करोड़ ₹ में)		
	2022	2023	2024	2022	2023	2024
1	2	3	4	5	6	7
छोटे सिक्के	1,47,880	1,47,880	1,47,880	700	700	700
	(11.9)	(11.6)	(11.2)	(2.5)	(2.3)	(2.1)
1	5,15,879	5,21,618	5,29,934	5,159	5,216	5,299
	(41.4)	(40.8)	(40.0)	(18.4)	(17.2)	(15.9)
2	3,40,792	3,47,277	3,55,929	6,816	6,946	7,119
	(27.3)	(27.1)	(26.9)	(24.4)	(23.0)	(21.3)
5	1,84,331	1,94,155	2,05,471	9,217	9,708	10,274
	(14.8)	(15.2)	(15.5)	(33.0)	(32.1)	(30.8)
10	54,044	59,764	68,637	5,404	5,976	6,864
	(4.3)	(4.7)	(5.2)	(19.3)	(19.8)	(20.6)
20	3,372	8,483	15,667	674	1,697	3,133
	(0.3)	(0.7)	(1.2)	(2.4)	(5.6)	(9.4)
कुल	**12,46,298**	**12,79,178**	**13,23,518**	**27,970**	**30,242**	**33,389**

नोट: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

[2] अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम।

सारणी VIII.3: संचलनगत ई₹ (मार्च अंत)

e₹	मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (संख्या लाख में)		मूल्य (करोड़ ₹ में)	
		2023	2024	2023	2024
1	2	3	4	5	6
ई₹- रिटेल	0.5	2.7	18.4	0.01	0.09
		(16.1)	(7.7)	(0.2)	(0.04)
	1	3.8	37.3	0.04	0.37
		(22.2)	(15.7)	(0.7)	(0.2)
	2	2.8	27.1	0.06	0.54
		(16.2)	(11.4)	(1.0)	(0.2)
	5	2.4	27.3	0.12	1.37
		(13.9)	(11.5)	(2.1)	(0.6)
	10	1.5	21.4	0.15	2.14
		(8.8)	(9.0)	(2.6)	(0.9)
	20	1.2	19.7	0.23	3.94
		(6.8)	(8.3)	(4.1)	(1.7)
	50	0.8	17.0	0.39	8.49
		(4.6)	(7.1)	(6.9)	(3.6)
	100	0.8	20.7	0.83	20.73
		(4.8)	(8.7)	(14.5)	(8.9)
	200	0.6	16.0	1.16	32.01
		(3.4)	(6.7)	(20.4)	(13.7)
	500	0.5	32.9	2.71	164.36
		(3.2)	(13.8)	(47.5)	(70.2)
	2000	-	-	-	-
कुल ई₹- रिटेल		17.1	237.8	5.70	234.04
कुल ई₹- होलसेल		…	…	10.69	0.08
कुल ई₹				**16.39**	**234.12**

-: शून्य। … लागू नहीं।

नोट: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

मुद्रा प्रबंध की आधारभूत संरचना

VIII.17 मुद्रा (अर्थात, बैंकनोट व सिक्के) के निर्गमन और इसके प्रबंधन का कार्य रिज़र्व बैंक देश में भर में फैले अपने 19 निर्गम कार्यालयों, 2,794 करेंसी चेस्टों और 2,460 छोटे सिक्कों के डिपो के माध्यम से करता है। 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार, करेंसी चेस्ट में भारतीय स्टेट बैंक का हिस्सा सबसे ज्यादा रहा (सारणी VIII.4)।

सारणी VIII.4: करेंसी चेस्ट और छोटे सिक्कों का डिपो (मार्च अंत 2024)

वर्ग	करेंसी चेस्ट की संख्या	छोटे सिक्कों के डिपो की संख्या
1	2	3
भारतीय स्टेट बैंक	1,467	1,339
राष्ट्रीयकृत बैंक	1,086	911
निजी क्षेत्र के बैंक	224	194
सहकारी बैंक	5	5
विदेशी बैंक	4	3
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	7	7
भारतीय रिज़र्व बैंक	1	1
कुल	**2,794**	**2,460**

स्रोत: आरबीआई।

मुद्रा की मांग और आपूर्ति

VIII.18 वर्ष 2023-24 के लिए बैंकनोटों और सिक्कों की मांग की मात्रा 2022-23 से अधिक रही (सारणी VIII.5 और सारणी VIII.6)। वर्ष 2023-24 के दौरान बैंकनोटों और सिक्कों की आपूर्ति भी पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रही।

सारणी VIII.5:बैंकनोटों की मांग और बीआरबीएनएमपीएल और एसपीएमसीआईएल द्वारा आपूर्ति (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्य-वर्ग (₹)	2021-22		2022-23		2023-24	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
5	-	-	-	-	-	-
10	7,500	7,510	6,000	6,000	8,000	8,000
20	20,000	20,000	20,000	19,999	20,000	20,000
50	15,000	15,000	20,000	20,000	25,000	25,000
100	40,000	40,002	60,000	60,000	70,000	70,000
200	12,000	11,991	20,000	20,000	30,000	30,000
500	1,28,000	1,28,003	1,00,000	1,00,004	90,000	90,000
2000	-	-	-	-	-	-
कुल	**2,22,500**	**2,22,505**	**2,26,000**	**2,26,002**	**2,43,000**	**2,43,000**

-: शून्य।
बीआरबीएनएमपीएल: भारतीय रिज़र्व बैंकनोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड
एसपीएमसीआईएल: भारतीय प्रतिभूति मुद्रण और मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
नोट: संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.6:सिक्कों की मांग और टकसालों द्वारा आपूर्ति (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्य-वर्ग (₹)	2021-22		2022-23		2023-24	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	-	-	1,000	1,000	3,000	3,058
2	2,000	2,000	3,000	3,000	3,000	3,000
5	2,000	2,000	3,000	3,000	3,000	3,000
10	2,000	2,000	1,000	1,002	1,000	1,000
20	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	1,999
कुल	**8,000**	**8,000**	**10,000**	**10,002**	**12,000**	**12,056**

-: शून्य।

नोट: संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

गंदे नोटों का निपटान

VIII.19 वर्ष 2023-24 के दौरान गंदे नोटों के निपटान संबंधी विवरण सारणी VIII.7. में दिए गए हैं। रिज़र्व बैंक दिसंबर 2023 से मासिक आधार पर गंदे नोटों के निपटान पर मूल्यवर्ग-वार डेटा प्रकाशित कर रहा है।

सारणी VIII.7: गंदे नोटों का निपटान (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2021-22	2022-23	2023-24
1	2	3	4
2000	3,847	4,824	18,458
1000	-	-	4
500	22,082	51,092	63,320
200	6,167	13,062	13,594
100	59,203	58,282	60,217
50	27,696	34,219	19,095
20	20,771	21,393	13,971
10	46,778	45,077	23,461
5 तक	1,257	1,315	370
कुल	**1,87,801**	**2,29,264**	**2,12,493**

-: लागू नहीं

नोट: संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

जाली नोट

VIII.20 वर्ष 2023-24 के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र में पकड़े गई नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) में से 7.9 प्रतिशत रिज़र्व बैंक में पकड़े गए (सारणी VIII.8)।

VIII.21 वर्ष 2023-24 के दौरान ₹10, ₹20, ₹50, ₹100 और ₹500 मूल्यवर्ग में पकड़े गए जाली नोटों में गिरावट आई, जबकि ₹200 मूल्यवर्ग में पिछले वर्ष की तुलना में आंशिक

सारणी VIII.8: पकड़े गए जाली नोटों की संख्या (अप्रैल से मार्च)

(नोटों की संख्या)

वर्ष	रिज़र्व बैंक में पकड़े गए	अन्य बैंकों में पकड़े गए	कुल
1	2	3	4
2021-22	15,878	2,15,093	2,30,971
	(6.9)	(93.1)	(100.0)
2022-23	10,465	2,15,304	2,25,769
	(4.6)	(95.4)	(100.0)
2023-24	17,613	2,05,026	2,22,639
	(7.9)	(92.1)	(100.0)

नोट:
1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल का प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. डेटा में पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जब्त किए गए जाली नोट शामिल नहीं हैं।

स्रोत: आरबीआई।

वृद्धि हुई। ₹2000 के बैंकनोटों की संचलन से वापसी की जारी प्रक्रिया और बड़ी संख्या में इन नोटों के प्रसंस्करण के कारण, इस मूल्यवर्ग में पकड़े गए जाली नोटों में वर्ष के दौरान वृद्धि हुई है। (सारणी VIII.9)।

प्रतिभूति मुद्रण पर व्यय

VIII.22 पिछले वर्ष के ₹4,682.8 करोड़ की तुलना में 2023-24 के दौरान प्रतिभूति मुद्रण पर कुल व्यय ₹5,101.4 करोड़ था।

अन्य गतिविधियां

बैंकनोटों और सिक्कों के उपयोग पर सर्वेक्षण

VIII.23 खुदरा डिजिटल भुगतान में वृद्धि के साथ-साथ नकदी की मांग में निरंतर वृद्धि के उभरते परिदृश्य में नकदी, सिक्कों के उपयोग और पसंद, मांग को प्रभावित करने वाले कारकों को समझने और नकदी और सिक्कों की कमी/अधिशेष का आकलन करने के लिए 2023 में एक सर्वेक्षण किया गया (बॉक्स VIII.1)।

सारणी VIII.9: बैंकिंग प्रणाली में पकड़े गए जाली नोट- मूल्यवर्ग के अनुसार (अप्रैल से मार्च)

(नोटों की संख्या)

मूल्यवर्ग (₹)	2021-22	2022-23	2023-24
1	2	3	4
2 व 5	1	3	1
10	354	313	235
20	311	337	297
50	17,696	17,755	15,366
100	92,237	78,699	66,310
200	27,074	27,258	28,672
500 (विनिर्दिष्ट बैंकनोट)	14	6	11
500	79,669	91,110	85,711
1000 (विनिर्दिष्ट बैंकनोट)	11	482	1
2000	13,604	9,806	26,035
कुल	**2,30,971**	**2,25,769**	**2,22,639**

स्रोत: आरबीआई।

बॉक्स VIII.1

बैंकनोटों और सिक्कों के उपयोग पर सर्वेक्षण

इस सर्वेक्षण में कुल 22,725 प्रतिसादकर्ता शामिल थे, जिसमें 20 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 11,474 उपभोक्ता और 11,251 व्यापारी (यथा, छोटे निर्माता, खुदरा व्यापारी और सेवा प्रदाता) शामिल थे। कुल प्रतिसादकर्ताओं में से लगभग 63 प्रतिशत ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से थे, 19 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों से और 18 प्रतिशत महानगरीय केंद्रों से थे।

प्रमुख निष्कर्ष

उपभोक्ता

सर्वेक्षण के अनुसार, 56.7 प्रतिशत उपभोक्ता प्रतिसादकर्ताओं को खरीदारी, यात्रा और दान करने के लिए मुख्य रूप से खुदरा सिक्कों की आवश्यकता होती है। ₹5 के सिक्कों की आवश्यकता सबसे अधिक थी, उसके बाद ₹2 और ₹10 की आवश्यकता आती है। अधिकांश प्रतिसादकर्ताओं ने बताया कि पिछले एक साल में उन्हें सिक्कों की कोई कमी नहीं हुई है।

बैंकनोटों के संबंध में, 80 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ता प्रतिसादकर्ताओं को खरीदारी, यात्रा, उपयोगिता/शुल्क भुगतान और आपात स्थिति के लिए बैंकनोटों की आवश्यकता होती है। 70 प्रतिशत से अधिक प्रतिसादकर्ताओं ने ₹50 और कम के बैंकनोटों की तुलना में ₹100 और अधिक के बैंकनोटों की उपलब्धता बेहतर बताई। लगभग 80 प्रतिशत प्रतिसादकर्ताओं को पिछले एक वर्ष में बैंकनोटों की कमी का सामना नहीं करना पड़ा।

लेनदेन का टिकट साइज़ बढ़ने के साथ-साथ, उपभोक्ता प्रतिसादकर्ताओं के बीच डिजिटल भुगतान की ओर पसंद स्थानांतरित हो गई है। सुरक्षा चिंताओं के अलावा, डिजिटल भुगतान मोड के साथ कम परिचय के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान के उपयोग की पहुंच अखिल भारतीय औसत की तुलना में कम थी। यह असमानता 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों में अधिक स्पष्ट थी।

व्यापारी

लगभग दो-तिहाई व्यापारी प्रतिसादकर्ताओं ने व्यापारिक लेनदेन, यात्रा और दान के लिए सिक्कों का उपयोग किया, और यह उपयोग सबसे अधिक खुदरा व्यापारियों के बीच और उसके बाद सेवा प्रदाताओं के बीच है। ₹5 के सिक्कों की आवश्यकता सबसे अधिक थी, उसके बाद ₹2 के सिक्कों और ₹10 के सिक्कों की आवश्यकता थी। लगभग 25 प्रतिशत

(जारी)

उत्तरदाताओं ने पिछले एक साल में सिक्कों की कमी बताई, जबकि 41 प्रतिशत ने इसे मौसमी कारक माना।

बैंकनोटों के संबंध में, लगभग 90 प्रतिशत व्यापारी प्रतिसादकर्ताओं ने उनका उपयोग व्यापारिक लेनदेन, यात्रा और आपात स्थिति के लिए किया। प्रतिसादकर्ताओं ने विशेष रूप से ₹100 और अधिक के बैंकनोटों की सुलभता को नोट किया। 80 प्रतिशत से अधिक प्रतिसादकर्ताओं ने बताया कि उन्हें पिछले एक साल में बैंकनोटों की कमी का सामना नहीं करना पड़ा।

लेनदेन मूल्य में वृद्धि पर डिजिटल भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है। तथापि, डिजिटल भुगतान प्रणालियों के उपयोग में भुगतान के तरीकों से परिचित न होना और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ डिजिटल भुगतान मोड में बाधा बताई गई, खासतौर से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में।

संक्षेप में, सर्वेक्षण ने संकेत दिया कि यद्यपि नकदी लोकप्रिय बनी हुई है, भुगतान के डिजिटल तरीके जनता के बीच प्रचलित हो रहे हैं।

नए श्रेडिंग और ब्रिकेटिंग सिस्टम (एसबीएस) की खरीद

VIII.24 वर्ष के दौरान, उचित निविदा प्रक्रिया के बाद 21 क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए नए श्रेडिंग और ब्रिकेटिंग सिस्टम की खरीद के लिए क्रयादेश दिए गए । इन एसबीएस मशीनों की सुपुर्दगी और संस्थापन 2024-25 की पहली तिमाही से शुरू होगी और इसे सभी कार्यालयों के लिए अगले दो वर्षों में पूरा कर लिए जाने की संभावना है।

सिक्कों के वितरण के लिए मोबाइल सिक्का वैन (एमसीवी) - भौगोलिक पहुंच और परिचालन के दायरे में विस्तार

VIII.25 सिक्कों का वितरण बढ़ाने के लिए, चुनिंदा राज्यों में चल रही एमसीवी की योजना पूरे देश में विस्तारित की गई है। इसके अतिरिक्त, सेवाओं का दायरा कम मूल्यवर्ग के नोट, जो संचालन के लिए अनुपयुक्त हैं, को बदलने के लिए बढ़ाया गया है। ये एमसीवी विशेष रूप से अर्ध-शहरी, ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में निवास करने वाली जनता को सिक्के और बैंकनोट वितरित करती हैं।

मोबाइल एडेड नोट आइडेंटिफायर (मनी) ऐप और सिक्कों के बारे में भ्रामक सूचनाओं पर जागरूकता अभियान

VIII.26 दृष्टिबाधित व्यक्तियों को भारतीय बैंकनोटों के मूल्यवर्ग की पहचान करने की सुविधा प्रदान करने के लिए मनी ऐप 1 जनवरी 2020 को लॉन्च किया गया था। यह ऐप हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 11 क्षेत्रीय भाषाओं में बैंकनोट मूल्यवर्ग सूचित करता है। मनी ऐप के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आकाशवाणी/विविध भारती/अन्य निजी एफएम रेडियो चैनलों के माध्यम से एक अखिल भारतीय रेडियो अभियान चलाया गया।

VIII.27 वर्ष के दौरान, रिज़र्व बैंक ने जनता के बीच सिक्कों के बारे में भ्रामक सूचना को दूर करने के लिए प्रिंट और रेडियो के मीडिया मिक्स द्वारा जागरूकता अभियान आरंभ किया।

भारतीय बैंकनोटों के लिए नई सुरक्षा विशेषताओं की खरीद

VIII.28 रिज़र्व बैंक बैंकनोटों के लिए नई/ उन्नयित सुरक्षा विशेषताएं आरंभ करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय है।

4. भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लि. (बीआरबीएनएमपीएल)

VIII.29 बीआरबीएनएमपीएल बैंकनोटों के डिजाइन, मुद्रण और आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह बैंकनोट उत्पादन के स्वदेशीकरण, कच्चे माल के बैकवर्ड इंटीग्रेशन सहित, के कार्यनीतिक लक्ष्य के कार्यान्वयन में रिज़र्व बैंक का प्रमुख भागीदार रहा है। बीआरबीएनएमपीएल द्वारा की गई खरीद भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत जारी निर्देशों के अनुरूप है। बीआरबीएनएमपीएल प्रेसों से करेंसी चेस्ट को प्रत्यक्ष बैंकनोट प्रेषण में वृद्धि हुई है, जिससे व्यवस्थागत पक्ष की दक्षता और लागत प्रभाविता में वृद्धि हुई है। रिज़र्व बैंक के आदेशानुसार, बीआरबीएनएमपीएल मुद्रा के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान करने के लिए अपने मैसूरू परिसर में एक मुद्रा अनुसंधान और विकास केंद्र (सीआरडीसी) की स्थापना कर रहा है।

5. 2024-25 के लिए कार्यसूची

VIII.30 वर्ष के दौरान विभाग का ध्यान निम्नलिखित पर होगा;

- मुद्रा प्रबंध आधारभूत संरचना के आधुनिकीकरण की परियोजना को आगे बढ़ाना;
- मौजूदा एसबीएस मशीनों का प्रतिस्थापन;
- मुद्रा नोट ब्रिकेट के अधिक धारणीय और पर्यावरण-अनुकूल निपटान का अन्वेषण;
- जनता को बैंकनोटों/सिक्कों की सुपुर्दगी को बेहतर बनाने के लिए उपाय करना और नीतियों को सुचारु बनाना; और
- बीआईएस द्वारा जारी तकनीकी मानकों का देश भर में बैंकों द्वारा उपयोग की जाने वाली एनएसएम के लिए कार्यान्वयन।

6. निष्कर्ष

VIII.31 2023-24 के दौरान, रिज़र्व बैंक ने बैंकनोट वितरण में दक्षता बढ़ाने, बैंकनोटों और सिक्कों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और जनता के लिए पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ बैंकनोटों और सिक्कों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की पहल जारी रखी। रिज़र्व बैंक ने मुद्रा प्रबंध आधारभूत संरचना के आधुनिकीकरण और स्वचालन के लिए कार्ययोजना तैयार की और ₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों को संचलन से वापस लेने की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया। भविष्य में, रिज़र्व बैंक का प्रयास मुद्रा प्रबंध आधारभूत संरचना को आधुनिक बनाने और बैंकनोट उत्पादन में आत्मनिर्भरता बनाए रखना होगा। बैंकनोटों की सत्यता को और सुदृढ़ करने तथा भुगतान के अन्य तरीकों के समक्ष जनता द्वारा नकदी को प्राथमिकता के रुझान को समझने के लिए विश्लेषणात्मक अनुसंधान पर ध्यान बना रहेगा।